देश में कुछ ऐसी रेलवे लाइन हैं जिनकी मालिक निजी कम्पनियां हैं ;

(ख) यदि हां, तो उन रेलवे लाइनों के नाम क्या हैं तथा वे किस किस कम्पनी की हैं; और

(ग) इन निजी कम्पनियों की रेलवे लाइनों की लम्बाई कितनी है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) जी हां।

(ख) और (ग). एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है। [**पुस्तकालय में रखा गया।** देखिये संख्या LT 711/68]

भुसावल रेलवे स्टेशन पर रेलवे इंजनों की नीलामी

6081. **श्री हुकम चन्द कछवाय:** क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1967 में कुछ पुराने इंजनों को जो रेलवे के लिये उपयोगी नहीं थे सरकार के आदेशानुसार भुसावल स्टेशन पर नीलाम किया गया;

(ख) यदि हां, तो उक्त वर्ष कुल कितने ऐसे इंजनों की नीलामी की गई; और

(ग) सरकार को नीलामी से कितनी रकम प्राप्त हुई ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) जी नहीं।

(ख) और (ग). सवाल नहीं उठता।

उत्तर रेलवे के वाराणसी-प्रतापगढ़ सेक्शन पर गाड़ी का पटरी से उतरना

6082. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जनवरी 1968 के दूसरे सप्ताह में उत्तर रेलवे के वाराणसी --प्रतापगढ़ सेक्शन पर गौड़ा और दंडपुर रेलवे स्टेशनों के बीच एक मालगाड़ी के तीस डिब्बे पटरी से उतर गये थे;

(ख) यदि हां, तो इसके फलस्वरूप रेलवे को कितनी हानि हुई ;

(ग) क्या गाड़ी के पटरी से उतरने के कारणों का पता लगाया गया है; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) दुर्घटना 11-1-1968 को हुई।

(ख) रेल सम्पत्ति को लगभग 95,643 रुपये की क्षति पहुंचने का अनुमान है।

(ग) और (घ). जांच समिति के निष्कर्ष के अनुसार गाड़ी के पटरी से उतरने का कारण यह था कि इंजन से 41वें नम्बर पर लगे मालडिब्बे में लदी हुई लोहे की नपेटी हुई चद्दरें चलती गाड़ी में अपनी जगह से खिसक गयी थीं क्योंकि रास्ते में पैकिंग सामग्री चोरी चली गयी थी।

Shifting of Divisional Office at Baroda

6083. **SHRI MANUBHAI PATEL:** Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) when the Divisional Office at Baroda was opened;